तेवर वही, अंदाज नया .....!
साप्ताहिक
उज्जैन टाइम्स
प्रधान सम्पादक : मनमोहन शर्मा
RNI No. 7583/61

● वर्ष : 63, अंक : 16 ● उज्जैन, मंगलवार दिनांक 16-01-2024 से 22-01-2024 तक ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 2 रुपये

अर्जुन बनने के लिए हाथों की जरूरत नहीं!

दुनिया की एकमात्र मौजूदा महिला अंतरराष्ट्रीय तीरंदाज हैं जो तीर छोड़ने के लिए अपने पैरों का इस्तेमाल करती हैं। वह सिर्फ 16 साल की है, विशेष रूप से सक्षम लड़की, विश्व की नंबर 1 पैरा-तीरंदाज राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पैरा तीरंदाजी में उनकी उपलब्धियों के लिए सुश्री शीतल देवी को अर्जुन पुरस्कार, 2023 प्रदान किया।

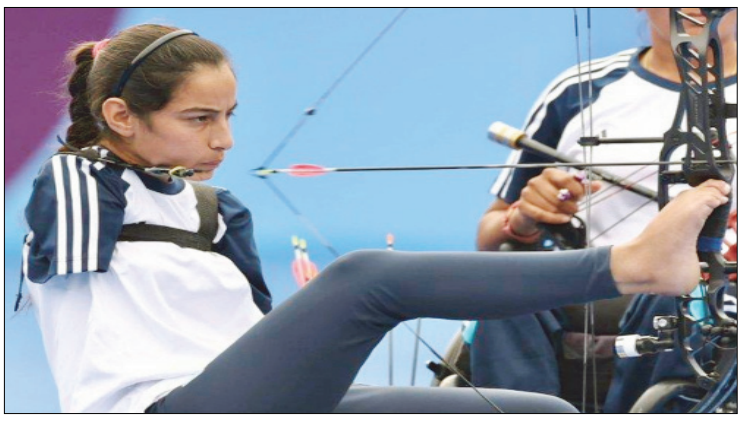

शीतल देवी, 16 वर्ष, रोंगटे खड़े कर देने वाली शख्शियत

निम्नलिखित जीत हासिल की है-

● 2023 में हांगझू, चीन में आयोजित चौथे पैरा एशियाई खेलों में तीन स्वर्ण पदक और एक रजत पदक।

● 2023 में चेक गणराज्य के पिल्सेन में आयोजित विश्वपैरा तीरंदाजी चैंपियनशिप में एक रजत पदक।

उनकी उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि दृढ़ इच्छा शक्ति ग्रह पर सबसे मजबूत शक्ति है। लचीलापन, दृढ़ संकल्प, समर्पण, कड़ी मेहनत, भक्ति-सब कुछ युवा शीतल देवी में लिखा है, यह अविश्वसनीय है कि मानवीय आत्मा क्या हासिल कर सकती है! राष्ट्रीय राइफल्स ने प्रतिभा को पहचानने और उसका समर्थन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कोच अभिलाषा चौधरी और कुलदीप वाधवान को उनके शोध और कड़ी मेहनत के लिए बधाई।

पदक और उपलब्धियाँ

● विश्वतीरंदाजी पैरा चैंपियनशिप 2023 रजत पदक-महिला व्यक्तिगत कंपाउंड ओपन तीरंदाजी।

● एशियाई पैरा गेम्स 2023 स्वर्ण पदक-महिला व्यक्तिगत कंपाउंड ओपन तीरंदाजी।

● एशियाई पैरा गेम्स 2023 स्वर्ण पदक-मिश्रित युगल कंपाउंड ओपन तीरंदाजी।

● एशियाई पैरा गेम्स 2023 रजत पदक-महिला युगल कंपाउंड ओपन तीरंदाजी।

● 2023 में ओपन वर्ग में विश्वकी नंबर 1 महिला कंपाउंड पैरा तीरंदाज।

● खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2023 स्वर्ण पदक-महिला व्यक्तिगत कंपाउंड ओपन तीरंदाजी।

● अर्जुन पुरस्कार 2023।

● एशियाई पैरालंपिक समिति द्वारा वर्ष 2023 का सर्वश्रेष्ठ युवा एथलीट।

● विश्वतीरंदाजी द्वारा वर्ष 2023 की सर्वश्रेष्ठ महिला पैरा तीरंदाज।

जीवन परिचय

शीतल का जन्म जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के लोइधर गांव में हुआ था । 2019 में, शीतल ने किश्तवाड़ में एक युवा कार्यक्रम में भाग लिया जहां उन पर भारतीय सेना की राष्ट्रीय राइफल्स इकाई की नजर पड़ी, जिसके परिणामस्वरूप सेना ने उनकी शिक्षा का समर्थन किया और चिकित्सा सहायता प्रदान की।

भारतीय सेना द्वारा आयोजित युवा कार्यक्रम में सेना के कोच अभिलाषा चौधरी और कुलदीप वाधवान ने उसके आत्मविश्वास को देखा और उसे प्रशिक्षित करने का फैसला किया। चूँकि वह फोकोमेलिया के साथ पैदा हुई थी , उसके कोई हाथ नहीं थे।

इसलिए सबसे पहले कोचों ने प्रोस्थेटिक्स में उनकी मदद करने का फैसला किया। लेकिन डॉक्टरों ने कहा कि उसके मामले में प्रोस्थेटिक्स संभव नहीं था। यहां उन्होंने बताया कि उन्हें अपने पैरों से पेड़ों पर चढ़ने का शौक है और इसमें महारत हासिल है। कोचों के लिए यह बहुत सुखद आश्चर्य था।

अब कोचों के सामने एक और चुनौती थी, उन्होंने कभी किसी ऐसे व्यक्ति को तीरंदाजी के लिए प्रशिक्षित नहीं किया था जिसके पास कोई हाथ न हो। लेकिन प्रशिक्षकों ने इस बारे में कुछ शोध किया कि क्या उसे प्रशिक्षित करना संभव है, और अंततः उन्हें मैट स्टुट्जमैन के बारे में पता चला, जो बिना हाथ के थे और तीरंदाजी के लिए अपने पैरों का इस्तेमाल करते थे। इससे कोच बहुत आश्वस्त हो गए और 11 महीने के प्रशिक्षण के भीतर, शीतल देवी ने एशियाई पैरा खेलों में भाग लिया और भारत के लिए दो स्वर्ण पदक जीते।

अति सुन्दर, सनातन घड़ी

12.00 बजने के स्थान पर आदित्य लिखा हुआ है जिसका अर्थ यह है कि सूर्य 12 प्रकार के होते हैं।

1.00 बजने के स्थान पर ईश्वर लिखा हुआ है इसका अर्थ यह है कि ईश्वर एक ही प्रकार का होता है। एको ब्रह्म द्वितीयो नास्ति।

2.00 बजने की स्थान पर पक्ष लिखा हुआ है जिसका तात्पर्य यह है कि पक्ष दो होते हैं 1 कृष्ण पक्ष और दूसरा शुक्ल पक्ष।

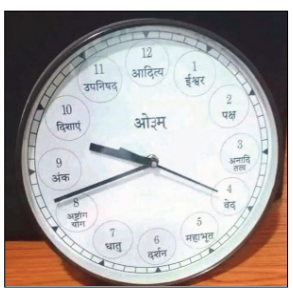

3.00 बजने के स्थान पर अनादि तत्व लिखा हुआ है जिसका तात्पर्य यह है कि अनादि तत्व 3 हैं। परमात्मा, जीवात्मा और प्रकृति ये तीनों तत्व अनादि है।

4.00 बजने के स्थान पर वेद लिखा हुआ है जिसका तात्पर्य यह है कि वेद चार प्रकार के होते है- ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद।

5.00 बजने के स्थान पर महाभूत लिखा हुआ है जिसका तात्पर्य है कि महाभूत पांच प्रकार के होते हैं। पांच महाभूत हैं- सत्वगुण, रजगुण, कर्म, काल, स्वभाव।

6.00 बजने के स्थान पर दर्शन लिखा हुआ है इसका तात्पर्य है कि दर्शन 6 प्रकार के होते हैं। छः दर्शन सांख्य, योग, न्याय, वैशेषिक, मीमांसा और वेदान्त के नाम से विदित है।

7.00 बजे के स्थान पर धातु लिखा हुआ है इसका तात्पर्य है कि धातु 7 हैं। सात धातुओं के नाम। रस-प्लाज्मा। रक्त-खून (ब्लड)। मांस-मांसपेशियां। मेद-वसा (फैट)। अस्थि-हड्डियाँ। मज्जा-बोनमैरो। शुक्र-प्रजनन संबंधी ऊतक। 8.00 बजने के स्थान पर अष्टांग योग लिखा हुआ है इसका तात्पर्य है कि योग के आठ प्रकार होते है। योग के आठ अंग हैं- 1) यम, 2) नियम, 3) आसन, 4) प्राणायाम, 5) प्रत्याहार, 6) धारणा 7) ध्यान 8) समाधि। 9-00 बजने के स्थान पर अंक लिखा हुआ है इसका तात्पर्य है कि अंक 9 प्रकार के होते हैं। 1 2 3 4 5 6 7 8 9। 10.00 बजने के स्थान पर दिशाएं लिखा हुआ है इसका तात्पर्य है कि दिशाएं 10 होती है। 11.00 बजने के स्थान पर उपनिषद लिखा हुआ है इसका तात्पर्य है कि उपनिषद 11 प्रकार के होते हैं। उपरोक्त घड़ी का ज्ञान हर सनातनी को होना चाहिए।

सम्पादकीय

यात्री दोषी या विमान कंपनी?

हवाई जहाज में एक यात्री द्वारा पायलट को मुक्का मारने की विरल घटना स्वाभाविक ही चर्चा का गंभीर विषय बन गई है। यह अपनी तरह का पहला मामला है, जब किसी पायलट पर यात्री ने हाथ उठाया है। 28 वर्षीय युवा यात्री की यह हिमाकत कतई क्षम्य नहीं है और उसके खिलाफ विधि-सम्मत कार्रवाई होनी ही चाहिए। पायलट दल पर बड़ी जिम्मेदारी होती है और उस पर किसी तरह का हमला बेहद गंभीर अपराध होना चाहिए। चूंकि ऐसी अप्रिय स्थिति की कल्पना भी नहीं की गई थी, इसलिए कानून भी उतना कड़ा नहीं है। मुक्का मारने वाले यात्री को गिरफ्तार कर लिया गया, पर जमानत पर छोड़ भी दिया गया। आगे की कार्रवाई भी कानून के हिसाब से होगी और यात्री को शायद कोई बड़ी सजा नहीं मिल पाएगी। यह घटना हमें पायलट दल की रक्षा के लिए नए कड़े कानून बनाने के संकेत दे रही है। संवेदना के साथ यह सोचने की जरूरत है कि उस पायलट की कोई गलती नहीं थी या उसकी वजह से फ्लाइट में देरी नहीं हो रही थी।

तो फिर गलती किसकी थी? आखिर मुक्के की नौबत क्यों आई? इसके दो प्रमुख कारण हैं। पहला, खराब मौसम-अत्यधिक कोहरे की वजह से तमाम प्रकार के यातायात में बाधा पैदा हो रही है। अभी विज्ञान ने इतनी तरक्की नहीं की है कि कोहरे में भी साफ देख सके और मौसम पर किसी का वश भी नहीं। मौसम एक ऐसा मोर्चा है, जहां हम विवश हैं, पर इस घटना का जो दूसरा कारण है, वहां हमें जरूर सक्रियता दिखानी चाहिए। फ्लाइट में देरी के समय यात्रियों को विश्वास में लेने की जो प्रक्रियाएं हैं, उनमें बड़ी कमियां हैं। इस मिसाल से समझिए, यात्रियों को सुबह 7 बजकर, 40 मिनट पर फ्लाइट पकड़नी है, उन्हें बताया जाता है कि फ्लाइट एक घंटे देरी से है। यात्री खुशी-खुशी बिल्कुल समय पर हवाई अड्डे पहुंच जाते हैं। सर्दी से कांप रही दिल्ली से दूर अनेक यात्रियों को गोवा में कुछ राहत के पल बिताने हैं। हवाई अड्डे पहुंचने पर यात्रियों को बताया जाता है कि फ्लाइट में कोहरे की वजह से और देरी होगी। यात्रियों की धैर्य की पूरी-पूरी परीक्षा होती है और उन्हें दस घंटे बाद, मतलब पूरा दिन खराब करने के बाद प्लेन में बैठाया जाता है, उसके बाद भी एक पायलट यात्रियों को सूचना देते हैं कि उड़ान भरने के लिए और इंतजार करना पड़ेगा। बस सब्र के टूटने का यही वह मुकाम है, जहां एक यात्री खुद को हाथ उठाने से रोक नहीं पाता है और अपराध कर बैठता है। अब दोषी यात्री को जो भी परेशानी हो, पर विमानन कंपनियों को अपना ढर्रा सुधारना चाहिए। विमान यात्रियों को कब-कब कैसी-कैसी परेशानी से गुजरना पड़ता है, इस पर ईमानदारी से गौर करने की जरूरत है। यात्रियों से अनुशासन की उम्मीद करने से पहले विमानन कंपनियों को खुद को अनुशासित और व्यवहार कुशल बनाना होगा। अब नागरिक उड्डयन महानिदेशक को खराब मौसम की स्थिति के कारण उड़ान रद्द होने और देरी के मद्देनजर असुविधा को कम करने के तमाम इंतजाम करने चाहिए। दिनों-दिन बढ़ती विमानन सेवा के समय विमानन प्रबंधन-संचालन को शालीनता के अनुरूप सुधारना बहुत जरूरी हो गया है। किसी फ्लाइट को ज्यादा लेट करने के बजाय समय रहते रद्द कर देना ज्यादा तार्किक व मानवीय होगा। यात्रियों को लगातार संदेश भेजते हुए विश्वास में लिए रखना भी अनिवार्य होना चाहिए। ध्यान रहे, विश्वास भरे बेहतर परिवेश और अच्छी सेवा से ही सुरक्षा को सुनिश्चित किया जा सकता है।

गुरु गोविंद सिंह का प्रकाशोत्सव

सिखों के 10वें गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह जी का 357वां प्रकाश पर्व इस वर्ष 17 जनवरी को मनाया जा रहा है। हिन्दू कैलेंडर के अनुसार गुरु गोविंद सिंह का जन्म 1667 ई. में पौष माह की शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को 1723 विक्रम संवत् को पटना साहिब में हुआ था।

प्रतिवर्ष इसी दिन गुरु गोविंद सिंह का प्रकाशोत्सव मनाया जाता है। बचपन में गुरु गोविंद सिंह जी को गोविंद राय के नाम से जाना जाता था। उनके पिता गुरु तेग बहादुर सिखों के 9वें गुरु थे। पंजाबी, हिन्दी, संस्कृत, बृज, फारसी भाषाएं सीखने के साथ गुरु गोविंद सिंह जी ने घुड़सवारी, तीरंदाजी, नेजेबाजी इत्यादि युद्ध कलाओं में भी महारत हासिल की थी। कश्मीरी पंडितों के धार्मिक अधिकारों की रक्षा के लिए उनके पिता और सिखों के 9वें गुरु तेग बहादुर जी द्वारा नवम्बर 1975 में दिल्ली के चांदनी चौक में शीश कटाकर शहादत दिए जाने के बाद मात्र 9 वर्ष की आयु में ही गुरु गोविंद सिंह जी ने सिखों के 10वें गुरु पद की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभाली और खालसा पंथ के संस्थापक बने।

अत्याचार और अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने के लिए गुरु गोविंद सिंह जी का वाक्य 'सवा लाख से एक लड़ाऊं तां गोविंद सिंह नाम धराऊं' सैकड़ों वर्षों बाद आज भी प्रेरणा और हिम्मत देता है। उन्होंने समाज में फैले भेदभाव को समाप्त कर समानता स्थापित की थी और लोगों में आत्मसम्मान तथा निडर रहने की भावना पैदा की। शौर्य, साहस, त्याग और बलिदान के सच्चे प्रतीक तथा इतिहास को नई धारा देने वाले अद्वितीय, विलक्षण और अनुपम व्यक्तित्व के स्वामी गुरु गोविंद सिंह को इतिहास में एक विलक्षण क्रांतिकारी संत व्यक्तित्व का दर्जा प्राप्त है। एक आध्यात्मिक गुरु होने के साथ-साथ वे एक निर्भयी योद्धा, कवि, दार्शनिक और उच्च कोटि के लेखक भी थे। उन्हें विद्वानों का संरक्षक भी माना जाता था। कहा जाता है कि 52 कवियों और लेखकों की उपस्थिति सदैव उनके दरबार में बनी रहती थी और इसीलिए उन्हें 'संत सिपाही' भी कहा जाता था। उन्होंने स्वयं कई ग्रंथों की रचना की थी। 'बिचित्र नाटक' को गुरु गोविंद सिंह की आत्मकथा माना जाता है, जो उनके जीवन के विषय में जानकारी का सबसे महत्वपूर्ण स्रोत है। यह 'दशम ग्रंथ' का एक भाग है, जो गुरु गोविंद सिंह की कृतियों के संकलन का नाम है। इस दशम ग्रंथ की रचना गुरु जी ने हिमाचल के पोंटा साहिब में की थी।

कहा जाता है कि गुरु गोविंद सिंह एक बार अपने घोड़े पर सवार होकर हिमाचल प्रदेश से गुजर रहे थे और एक स्थान पर उनका घोड़ा अपने आप आकर रुक गया। उसी के बाद से उस जगह को पवित्र माना जाने लगा और उस जगह को पोंटा साहिब के नाम से जाना जाने लगा। दरअसल 'पोंटा' शब्द का अर्थ होता है 'पांव' और जिस जगह पर घोड़े के पांव अपने आप थम गए, उसी जगह को पोंटा साहिब नाम दिया गया। गुरु जी ने अपने जीवन के चार वर्ष पोंटा साहिब में ही बिताए, जहां अभी भी उनके हथियार और कलम रखे हैं। 1699 में बैसाखी के दिन तख्त श्री केसगढ़ साहिब में कड़ी परीक्षा के बाद पांच सिखों को 'पंज प्यारे' चुनकर गुरु गोविंद सिंह ने खालसा पंथ की स्थापना की थी, जिसके बाद प्रत्येक सिख के लिए कृपाण या श्रीसाहिब धारण करना अनिवार्य कर दिया गया। वहीं पर उन्होंने 'खालसा वाणी' भी दी, जिसे 'वाहे गुरु जी का खालसा, वाहेगुरु जी की फतेह' कहा जाता है। उन्होंने जीवन जीने के पांच सिद्धांत दिए थे, जिन्हें 'पंच ककार' (केश, कड़ा, कृपाण, कंघा और कच्छा) कहा जाता है।

(गुरु गोविंद सिंह जयंती पर विशेष)

गुरु गोविंद सिंह ने ही 'गुरु ग्रंथ साहिब' को सिखों के स्थायी गुरु का दर्जा दिया था। सन 1708 में उन्होंने महाराष्ट्र के नांदेड़ में शिविर लगाया था। वहां जब उन्हें लगा कि अब उनका अंतिम समय आ गया है, तब उन्होंने संगतों को आदेश दिया कि अब गुरु ग्रंथ साहिब ही आपके गुरु हैं। उन्होंने कई बार मुगलों को परास्त किया। आनंदपुर साहिब में तो मुगलों से उनके संघर्ष और उनकी वीरता का स्वर्णिम इतिहास बिखरा पड़ा है। गुरु गोविंद सिंह के चारों पुत्र अजीत सिंह, फतेह सिंह, जोरावर सिंह और जुझार सिंह भी उन्हीं की भांति बेहद निडर और बहादुर योद्धा थे। अपने धर्म की रक्षा के लिए मुगलों से लड़ते हुए गुरु गोविंद सिंह ने अपने पूरे परिवार का बलिदान कर दिया था। उनके दो पुत्रों बाबा अजीत सिंह और बाबा जुझार सिंह ने चमकौर के युद्ध में शहादत प्राप्त की थी। 26 दिसम्बर 1704 को गुरु गोविंद सिंह के दो अन्य साहिबजादों जोरावर सिंह और फतेह सिंह को इस्लाम धर्म स्वीकार नहीं करने पर सरहिंद के नवाब द्वारा दीवार में जिंदा चुनवा दिया गया था और माता गुजरी को किले की दीवार से गिराकर शहीद कर दिया गया था। नांदेड़ में दो हमलावरों से लड़ते समय गुरु गोबिन्द सिंह के सीने में दिल के ऊपर गहरी चोट लगी थी, जिसके कारण 18 अक्तूबर 1708 को नांदेड में करीब 41 वर्ष की आयु में वे वीरगति को प्राप्त हुए थे।

प्रधानमंत्री श्रमयोगी मानधन योजना में 60 वर्ष बाद मिलेगी तीन हजार रुपये पेंशन

इंदौर। केन्द्र सरकार द्वारा असंगठित श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए केन्द्रीय श्रम मंत्रालय द्वारा प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन पेंशन योजना प्रारंभ की गई है। इस योजना के अंतर्गत 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के समस्त असंगठित क्षेत्र के श्रमिक जिनकी मासिक आय 15 हजार से कम है, इस योजना के लिए पात्र होंगे। योजना के अंतर्गत नामांकन के लिए 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के श्रमिकों को प्रतिमाह 55 से 200 रुपये प्रीमियम के रूप मे जमा करना होगी। भारत सरकार श्रम मंत्रालय द्वारा जमा की जाएगी, जिसमें 50 प्रतिशत प्रीमियम की राशि भारत सरकार श्रम मंत्रालय द्वारा वहन की जाएगी। श्रमिक की 60 वर्ष आयु पूर्ण होने पर बीमित व्यक्ति को तीन हजार प्रतिमाह रुपये पेंशन के रूप में प्राप्त होगी यह जानकारी जनसम्पर्क अधिकारी डॉ. आर.आर.पटेल ने दी। उन्होंने बताया कि इस योजना के संचालन के लिए भारतीय जीवन बीमा निगम को अधिकृत किया गया है। इस योजना के लिए इच्छुक श्रमिक योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए निकटतम कॉमन सर्विस सेंटर (कियोस्क) पर जाकर अपना नामांकन करा सकते हैं। नामांकन के समय श्रमिक को आधार कार्ड एवं बैंक खाता नंबर अनिवार्य रूप से देना होगा। प्रीमियम की प्रथम किश्त श्रमिक के आयु वर्ग के अनुसार 55 से 200 रुपये कॉमन सर्विस सेंटर में नगद जमा की जाएगी।

सरकार कोचिंग सेंटरों के भ्रामक विज्ञापनों, फर्जी दावों पर लगाम लगाने के लिए नियम सख्त कर रही

कोचिंग संस्थानों में सफलता दर के संबंध में भ्रामक विज्ञापनों और झूठे दावों को रोकने के लिए मसौदा दिशानिर्देशों पर चर्चा करने के लिए केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण समिति ने अपनी पहली बैठक की। उपभोक्ता मामलों के सचिव और CCPA के मुख्य आयुक्त रोहित कुमार सिंह ने विशेष रूप से कोचिंग क्षेत्र में विज्ञापनों से संबंधित कुछ पहलुओं को संबोधित करने में स्पष्टता की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने आगे कहा कि CCPA दृढ़ता से उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा करने में विश्वास करता है और यह सुनिश्चित करता है कि किसी भी सामान या सेवाओं का कोई गलत या भ्रामक विज्ञापन न किया जाए जो उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के प्रावधानों का उल्लंघन करता हो। दिशानिर्देश सभी कोचिंग संस्थानों पर लागू होंगे, चाहे वे ऑनलाइन हों या भौतिक और फॉर्म, प्रारूप या माध्यम की परवाह किए बिना सभी प्रकार के विज्ञापनों को कवर करेंगे।

दिशानिर्देश यह भी बताते हैं कि क्या करें और क्या न करें जिन्हें विज्ञापन जारी करने से पहले देखा जाना चाहिए-

❍ कोचिंग संस्थान को सफल उम्मीदवार की फोटो के साथ अपेक्षित जानकारी का उल्लेख करना होगा, जिसमें सफल उम्मीदवार द्वारा प्राप्त रैंक, सफल उम्मीदवार द्वारा चुना गया पाठ्यक्रम, पाठ्यक्रम की अवधि और क्या यह भुगतान किया गया है या मुफ्त है।

❍ कोचिंग संस्थान 100 त्न चयन या 100 प्रति. नौकरी की गारंटी या प्रारंभिक या मुख्य परीक्षा की गारंटी का दावा नहीं करेंगे।

❍ विज्ञापन में अस्वीकरण/प्रकटीकरण/महत्वपूर्ण जानकारी का फॉन्ट वही होगा जो दावे/विज्ञापन में उपयोग किया गया है। ऐसी जानकारी का प्लेसमेंट विज्ञापन में प्रमुख और दृश्यमान स्थान पर होना चाहिए।

❍ यह भी स्पष्ट किया गया कि कोचिंग क्षेत्र द्वारा भ्रामक विज्ञापनों के लिए जुर्माना उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के अनुसार नियंत्रित किया जाएगा और दिशानिर्देश केवल हितधारकों के लिए स्पष्टीकरण की प्रकृति में हैं और अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन इसके तहत शासित होता रहेगा। अधिनियम के मौजूदा प्रावधान।

समिति ने पाया कि दिशानिर्देश जारी करने की तत्काल आवश्यकता है और बैठक में चर्चा के अनुसार मसौदा जल्द से जल्द जारी किया जाना चाहिए।

CCPA ने कोचिंग संस्थानों द्वारा भ्रामक विज्ञापनों के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेते हुए कार्रवाई की थी।

इस संबंध में, उसने भ्रामक विज्ञापन के लिए 31 कोचिंग संस्थानों को नोटिस जारी किया है और उनमें से 9 पर भ्रामक विज्ञापन के लिए जुर्माना लगाया है।

CCPA ने पाया है कि कुछ कोचिंग संस्थान जानबूझकर सफल उम्मीदवारों द्वारा चुने गए पाठ्यक्रम, पाठ्यक्रम की अवधि और उम्मीदवारों द्वारा भुगतान की गई फीस के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी छिपाकर उपभोक्ताओं को गुमराह करते हैं।

इसमें यह भी कहा गया है कि कुछ कोचिंग संस्थान सत्यापन योग्य साक्ष्य उपलब्ध कराए बिना 100 प्रतिशत चयन, 100 प्रति. नौकरी की गारंटी और प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा की गारंटी जैसे दावे करने में भी शामिल हैं।

चाइना डोर से गला कटने से छह वर्षीय बच्चे की मौत, उज्जैन में भी बच्चा की मौत

धार/उज्जैन। मध्य प्रदेश में मकर संक्रांति पर दो अलग-अलग क्षेत्रों में चाइना डोर से दो बच्चों की जान चली गई। पहली घटना धार जिले की है। यहां हटवाड़ा क्षेत्र में रविवार शाम 7 बजे दुखद घटना हुई। इसमें बाइक सवार पिता अपने छह वर्षीय पुत्र के साथ सामान खरीदने के लिए बाजार जा रहा था। इस दौरान चाइना डोर की चपेट में बाइक पर बैठा बच्चा कनिष्क पुत्र विनोद चौहान निवासी लुनियापुरा धार आ गया। इसमें उसकी गर्दन कट गई।

पिता व अन्य लोग तत्काल बच्चे को लेकर निजी अस्पताल पहुंचे, जहां उसे मृत घोषित घोषित कर दिया गया। बच्चे का शव जिला चिकित्सालय में रखा गया है। एक दिन पहले एक बुजुर्ग और एक बच्चा चाइना डोर की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गया थे। इसके बाद रविवार को यह दुखद हादसा हो गया। उल्लेखनीय है कि मकर संक्रांति पर जमकर पतंगबाजी होती है। इस दौरान लोग चाइना डोर का भी इस्तेमाल करते हैं। हालांकि सरकार ने चाइना डोर पर प्रतिबंध लगा दिया है, लेकिन दुकानदार चोरी-छुपे इसे बेचते हैं। इससे कई हादसे होते हैं।

दूसरी घटना उज्जैन में हुई। यहां चाइना डोर के कारण रविवार को 12 साल के बच्चे की मौत हो गई। वह घर की छत पर चाइना डोर से पतंग उड़ा रहा था। घर के बाहर लगी बिजली की डीपी में पतंग फंस गई। पतंग खींचने के दौरान अचानक फाल्ट हो गया और बालक को करंट लग गया। स्वजन उसे तत्काल उपचार के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंचे थे। यहां डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि अल्फेज पुत्र जावेद (12 वर्ष) निवासी बेगमबाग रविवार को मकर संक्रांति पर्व पर घर की छत पर चाइना डोर से पतंग उड़ा रहा था। पतंग घर के समीप ही लगी डीपी में उलझ गई थी। अल्फेज ने जैसे ही पतंग निकालने के लिए डोर को खींचा, डीपी में लगे बिजली तारों में फाल्ट हो गया और अल्फेज करंट की चपेट में आ गया, जिससे वह नीचे गिर गया। उसे उपचार के लिए स्वजन जिला अस्पताल लेकर पहुंचे थे। यहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद स्वजन शव को लेकर वापस चले गए। इसकी जानकारी अस्पताल कर्मचारियों ने पुलिस कंट्रोल रूम व महाकाल पुलिस को दी थी। सूचना मिलने पर पुलिस बेगमबाग पहुंची और स्वजन को समझाइश दी। इसके बाद दोबारा शव को जिला अस्पताल लाया गया। शव का पोस्टमार्टम करवाने के बाद शव स्वजन को सौंपा जाएगा।

पतंगबाजी में चाइना डोर के उपयोग पर प्रतिबंध है। पुलिस बीते 15 दिनों से पतंग दुकानों पर जाकर चाइनीज मांझे की जांच कर रही थी। इसके अलावा दुकान संचालकों से चाइना डोर ना बेचने को लेकर बांड भी भरवाए थे। चाइना डोर बेचने व उपयोग करने वालों पर धारा 307 के तहत केस दर्ज करने की बात भी कही गई थी। पुलिस तीन दिनों से ड्रोन कैमरों, दूरबीन से नजर रख रही थी। छतों पर जाकर इसकी जांच भी की जा रही थी। बावजूद इसके रविवार को चाइना डोर का उपयोग किया गया था। पुलिस की सख्ती भी चाइना डोर का उपयोग नहीं रोक पाई थी। इसका नतीजा यह रहा कि बेगमबाग में बच्चा चाइना डोर के कारण करंट की चपेट में आ गया और उसकी मौत हो गई।

पतंगबाजी के विवाद में पिता-पुत्र को पीटा

उज्जैन। रतन एवेन्यू में पंतगबाजी को लेकर हुए विवाद में एक बालक और उसके परिजन के साथ पड़ोसियों ने मारपीट की। जातिसूचक शब्दों से अपमानित किया। चिमनगंज पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ एट्रोसिटी एक्ट के तहत केस दर्ज किया है।

पुलिस ने बताया कि स्वयं पिता मुकेश कैथवास 17 वर्ष निवासी रतन एवेन्यू और उसके परिचित राजेश कुमार पिता गुलाबचंद जैन 50 साल निवासी रतन एवेन्यू के साथ पड़ोसी दिव्यांश, विशाल, शुभम, बाबू ने पतंगबाजी की बात को लेकर मारपीट की। स्वयं की रिपोर्ट पर पुलिस ने उक्त चारों लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के साथ एट्रोसिटी एक्ट में केस दर्ज किया।

इसी प्रकार तुषार रायकवार निवासी कंचनपुरा ने पड़ोसी के खिलाफ मारपीट की रिपोर्ट माधव नगर थाने में दर्ज कराई और पुलिस को बताया कि आरोपियों ने उसके छोटे भाई तनिष्क 12 वर्ष के साथ पतंग उड़ाने की बात को लेकर मारपीट की।

एंटी स्मॉग गन एयर पॉल्यूशन को नियंत्रित करेगी

उज्जैन। नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम के तहत उज्जैन नगर पालिका निगम द्वारा पर्यावरण को दृष्टिगत रखते हुए स्पिलिंकर मशीन (एंटी स्मोग गन) को नगर निगम के संसाधनों में शामिल किया गया है जिससे यह रोड़ पर एवं डिवाइड पर लगे पौधों की सफाई करने का कार्य करेगी मशीन का लोकार्पण मध्य प्रदेश शासन के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी के मुख्य आतिथ्य, महापौर श्री मुकेश टटवाल की अध्यक्षता, विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव एवं वर्क शाप विभाग की प्रभारी एवं एमआईसी सदस्य श्रीमती दुर्गा शक्ति सिंह चौधरी के विशिष्ट आतिथ्य में किया गया। स्प्रिंकलर मशीन को नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम के तहत उज्जैन नगर पालिक निगम द्वारा 45 लाख रुपए की लागत से नगर निगम के संसाधनों में शामिल किया गया है इस मशीन में 6000 लीटर की क्षमता का टैंक है जिसके माध्यम से रोड़ पर लगे पेड़ पौधों की सफाई उद्यानों में लगी महापुरुषों की प्रतिमा की साफ सफाई, डिवाइडर की क्लीनिंग का कार्य करेगी। इस अवसर पर एमआईसी सदस्य श्री प्रकाश शर्मा, झोन अध्यक्ष श्री सुशील श्रीवास, श्री विजय कुशवाहा, श्री संग्राम सिंह भाटिया, पार्षद श्री हेमंत गहलोत, श्री गब्बर भाटी, श्री पंकज चौधरी, श्री रामेश्वर दुबे, श्रीमती निर्मला करण परमार, उपायुक्त श्री संजेश गुप्ता, वर्कशॉप प्रभारी श्री जितेंद्र श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

थैलेसीमिया सिकल सेल संबंधित जन-जागरूकता अभियान चलाया

उज्जैन। थैलेसीमिया सिकल सेल संबंधित जन-जागरूकता अभियान कैडेट्स द्वारा शासकीय माधव विज्ञान महाविद्यालय, उज्जैन द्वारा 15 जनवरी को चलाया गया। यह अभियान 2 म.प्र. आर्टी बेट्री एन.सी.सी. के कमान अधिकारी ले. कर्नल गौरव थापा व प्राचार्य डॉ. अर्पण भारद्वाज के निर्देशन में चलाया गया। एन.सी.सी. प्रभारी अधिकारी डॉ. प्रमिला बघेल ने बताया कि थैलेसीमिया सिकल सेल संबंधित डी.जी. एन.सी.सी. व डायरेक्टेट म.प्र. एवं सी.जी. के निर्देशानुसार यह जन-जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

प्राचार्य डॉ. भारद्वाज ने बताया कि थैलेसीमिया एक अनुवांशिक रोग है, और माता व पिता या दोनों के जींस में गड़बड़ी के कारण होता हैं। महाविद्यालय के अधिकारी व कर्मचारी तथा कैडेट्स द्वारा थैलेसीमिया सिकल सेल जन-जागरूकता हेतु पेम्पलेट वितरण कर प्रचार-प्रसार किया गया।

इस अवसर पर अतिरिक्त संचालक डॉ. एच.एस. अनिजवाल, डॉ. विशाल टाकले, सूबेदार अशोक कुमार, हवलदार बी.एस. झाला विशेष रूप से उपस्थित रहे। महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. आय. के. मंगल, मुख्य लिपिक शैलेन्द्र परमार, कंपनी सीनियर अंडर ऑफिसर राजेश्वरी अटल, सीनियर अंडर ऑफिसर पीयूष मंडलोई, अभिजीत, वर्षा, सपना, सरोज देवशिरी, सपना जाग्रति हर्ष, एस, एसपाल, करन सहित एन.सी.सी. कैडेट्स उपस्थित थे।

मां शिप्रा का दूध और तिल से किया अभिषेक पूजन

उज्जैन। श्री अवंतिका महाकाल युवा तीर्थ पुरोहित समिति रामघाट अध्यक्ष अजय जोशी कुंड वाला गुरु द्वारा मकर संक्रांति महापर्व पर मां शिप्राजी का दूध और तिल से अभिषेक पूजन किया गया।

विश्व कल्याण की भावना से हुए इस पूजन अनुष्ठान में विशेष अतिथि पूर्व पार्षद जगदीश पांचाल, सुशील जैन, गिरिराज चौरसिया, धर्मेंद्र यादव, पंडा समिति अध्यक्ष मोहन त्रिवेदी, रितेश त्रिवेदी, मनीष जोशी, राहुल जोशी कुंडवाला गुरु, राकेश जोशी, शुभम उपाध्याय सहित समस्त तीर्थ पुरोहित पुजारी उपस्थित रहे।

अजय जोशी कुंड वाला गुरु ने कहा कि अवंतिका नगरी में शिप्रा मैया का विशेष महत्व है। शिप्रा नदी उत्तर वाहिनी नदी है और तिल भर बड़ी होने के कारण मकर संक्रांति पर स्नान दान का विशेष महत्व है। इस दिन तिल दान करने से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है। व्यक्ति के रोग शरीर कष्ट निवारण होता है।

रामघाट पर राम धुन का भी भजन किया जा रहा है। सभी तीर्थ पुरोहित पुजारी परिवार द्वारा सुंदरकांड का पाठ अखंड रामायण का पाठ भी 22 जनवरी को किया जाएगा।

साथ ही शिप्राजी की भव्य आरती की जाएगी। सभी से अनुरोध किया कि 22 जनवरी के दिन अपने घर में दीपक जलाकर दीपावली त्यौहार मनाये।

उज्जैन पूर्व सैनिक सेवा संगठन ने मनाया 76वां सेना दिवस

उज्जैन। उज्जैन पूर्व सैनिक सेवा संगठन द्वारा कालिदास अकादमी में 76वां सेना दिवस मनाया गया। जिसमें देश भक्ति गीतों की प्रस्तुति के साथ सेना के वीर जवानों, उज्जैन में निवास करने वाले वरिष्ठ पूर्व सैनिकों, अमर बलिदानी सैनिकों के परिजनों/वीरनारियो का सम्मान किया गया। अध्यक्षता कामोडर चमन जैन सेवा निवृत ने की।

इनके अलावा कर्नल प्रदीप सिंह, कर्नल जी.सी. चौधरी, कर्नल मोहन शरण गुप्ता, सूबेदार मेजर सोमित मजूमदार, सूबेदार मेजर, एनसीसी के सैन्य अधिकारी, कैडेट व बड़ी संख्या में पूर्व सैनिकों ने अपने परिवार के साथ समारोह में भाग लिया। संगठन के अध्यक्ष सूबेदार कमल सोनी ने स्वागत भाषण दिया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष मुकेश मोयल ने संचालन किया। संगठन के हवलदार रवि भदोरिया, सवाई सिंह शेखावत, जितेंद्र राजपूत, शैलेंद्र सिंह डोडिया, मुकेशचंद्र सोनी, धर्मेंद्रलाल डोडिया, प्रकाश गोडबोले, सिद्धूलाल राठौर, अनिल सिंह तोमर, विकास दुबे, विजयपाल सिंह पवार, विकास शर्मा आदि ने विभिन्न दायित्व का निर्वहन किया। डॉ. पिंकेश डफरिया, सुभाष दुबे, संध्या गरवाल, रविन्द्र पाल सिंह जादौन ने देशभक्ति गीतों की प्रस्तुतिया दी। सचिव रवि भदोरिया ने आभार व्यक्त किया। सूबेदार कमल सोनी ने बताया कि देश में सेना दिवस, हर वर्ष 15 जनवरी को लेफ्टिनेंट जनरल (प्रथम फील्ड मार्शल) के.एम. करियप्पा के द्वारा भारतीय थल सेना के शीर्ष कमांडर का पदभार ग्रहण करने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। उन्होंने 15 जनवरी 1949 को ब्रिटिश शासन के अंतिम शीर्ष कमांडर जनरल रॉय फ्रांसिसबुचर से यह पदभार ग्रहण किया था। इस दिन थल सेना के वीर जवानों, अमर बलिदानियों के अदम्य साहस, शौर्य, पराक्रम और युद्ध कौशल का गुणगान कर उनके द्वारा देश की रक्षा के लिए किए गए त्याग, तपस्या और बलिदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की जाती है।

उज्जैन के लिए सैनिक स्कूल की मांग

उज्जैन। संस्था सरल काव्यांजलि के महासचिव सन्तोष सुपेकर ने केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर उज्जैन में सैनिक स्कूल की स्थापना की मांग की है।

संस्था अध्यक्ष डॉ. संजय नागर ने बताया कि रक्षा मंत्रालय देश में सौ नए सैनिक स्कूल खोल रहा है और इसी के तहत प्रदेश के भिण्ड, खरगोन और मंदसौर के लिए सैनिक स्कूल की स्वीकृति मिल चुकी है जबकि रीवा में पहले से ही सैनिक स्कूल है।

आज के विद्यार्थी कल के नहीं, आज के नागरिक हैं-श्री कालूहेड़ा

उज्जैन। आज का विद्यार्थी कल का नहीं,आज का नागरिक है। लोटी स्कूल में शिक्षा के साथ संस्कृति एवं खेलकूद गतिविधियां संचालित होती है। यहां आज का नागरिक तैयार हो रहा है। आज यदि मन में राष्ट्रभाव जाग्रत हो गया तो भविष्य में राष्ट्र के प्रत्येक क्षेत्र में राष्ट्र के प्रति समर्पण दिखाई देगा।

यह बात विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा ने कही। वे लोकमान्य टिळक विद्या विहार उमावि,नीलगंगा के वार्षिकोत्सव को संबोधित कर रहे थे। मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए श्री कालूहेड़ा ने आव्हान किया कि विद्यार्थी खेलों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें। मल्लखंब विद्या को लोटी स्कूल ने पुर्नजीवित किया है। आज जो स्थान शिक्षा के क्षेत्र में लोटी स्कूल का है, वह अन्य जगह देखने में नहीं आता। लोटी स्कूल में शिक्षा-संस्कृति के साथ वैचारिक अनुष्ठान के बारे में भी सिखाया जाता है। यह अनुकरणीय बात है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता लोकमान्य टिळक शिक्षण समिति के अध्यक्ष किशोर खण्डेलवाल ने की। उन्होने कहाकि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने विद्यार्थियों के भविष्य के लिए नए आयाम खोले हैं। अब विद्यार्थी जीवन के जिस क्षेत्र में रूचि रखते हैं,उस विद्या का अध्ययन कर सकते हैं। उन्होने कहाकि इस समय देश में विशेष वातावरण है। आगामी 22 जनवरी को अयोध्या में रामलला प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा होने जा रही है। यह दिन हममें भारतीय होने का गौरव जगाएगा। हम सभी इस दिन को पर्व के रूप में मनाएंगे। कार्यक्रम के विशेष अतिथि समिति के कार्यपालन अधिकारी गिरीश भालेराव थे।

प्रारंभ में मां सरस्वती एवं लोकमान्य टिळक के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन के पश्चात कार्यक्रम की भूमिका प्राचार्य श्रीमती अदिती तिवारी ने रखी। मंचासीन अतिथियों ने विद्यालय की वार्षिक डिजिटल पत्रिका संकल्प का प्रतिकात्मक विमोचन किया।

भारतीय रुपया चीनी रॅन्मिन्बी के बाद तीसरा सबसे बड़ा मुद्रा घटक बन जाएगा?

भारत सरकार के बांडों को वैश्विक वित्तीय सलाहकार फर्म Bloomberg द्वारा अपने GLOBAL INDEX सूचकांक में शामिल करने के प्रस्ताव से और अधिक बढ़ावा मिलने की संभावना है, क्युकी, JP Morgan जून 2024 से Indian Bonds (बांडों) को अपने GLOBAL INDEX (वैश्विक सूचकांक) में शामिल करने का निर्णय कर चूका है।

According to Bloomberg Inde& services limited (BISL), ब्लूमबर्ग 2023 फिक्स्ड इनकम इंडेक्स एडवाइजरी काउंसिल के दौरान प्राप्त ग्राहक प्रतिक्रिया के बाद, ब्लूमबर्ग इंडेक्स सर्विसेज लिमिटेड (BISL) ब्लूमबर्ग इमर्जिंग मार्केट (EM) स्थानीय मुद्रा में भारत पूरी तरह से सुलभ रूट बांड के प्रस्तावित समावेशन पर प्रतिक्रिया मांगने के लिए एक परामर्श शुरू कर रहा है। प्रस्ताव के अनुसार, भारत सरकार के बॉन्ड को सितंबर 2024 से शुरू होने वाले पांच

महीनों में चरणबद्ध तरीके से ब्लूमबर्ग इंडेक्स में शामिल किया जाएगा। प्रत्येक महीने में पूरी तरह से सुलभ मार्ग (FAR) के तहत आने वाले बॉन्ड के पूर्ण-बाजार मूल्य का 20% शामिल होगा, जिसमें विदेशी निवेशकों पर कोई प्रतिबंध शामिल नहीं है।

एक बार ब्लूमबर्ग इमर्जिंग मार्केट 10% कंट्री कैप्ड इंडेक्स में पूरी तरह से चरणबद्ध हो जाने पर, भारत FAR Bond Inde& के भीतर 10 प्रतिशत भार पर पूरी तरह से कैप हो जाएंगे। उस समय, भारतीय रुपया चीनी रॅन्मिन्बी के बाद तीसरा सबसे बड़ा मुद्रा घटक बन जाएगा। 30 नवंबर, 2023 तक के डेटा का उपयोग करते हुए, INDEX में 32 भारतीय प्रतिभूतियाँ शामिल होंगी और 5.96 ट्रिलियन INDEX के 6.99% का प्रतिनिधित्व करेंगे। वैश्विक सूचकांकों में भारतीय सरकारी बांडों को शामिल करने से उनकी वैश्विक स्वीकार्यता बढ़ती है और विदेशी निवेशकों के लिए उन्हें खरीदना अधिक आकर्षक हो जाता है।

गंदगी पाए जाने पर खाद्य पदार्थों के निर्माण कार्य को तत्काल कराया गया बंद

इंदौर। कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देश पर अपर कलेक्टर गौरव बैनल के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के संयुक्त दल द्वारा मंगलवार को अहिरखेड़ी स्थित प्रतीक ट्रेडर्स का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए और गंदगी पाए जाने पर प्रतिष्ठान को तत्काल बंद कराया गया।

अपर कलेक्टर बैनल ने बताया कि उक्त प्रतिष्ठान पर गंदगी में गुणवत्ताहीन कन्फेक्शनरी बनाए जाने की सूचना प्राप्त हुई थी, जिसे संज्ञान में लेकर निरीक्षण के दौरान पाया गया कि परिसर में अत्यधिक गंदगी के बीच खाद्य पदार्थों का संग्रहण किया गया है। कर्मचारियों ने अप्रोन, कैप और ग्लव्स नहीं पहने थे। परिसर में पेस्ट कंट्रोल भी नहीं कराया गया था। परिसर में कच्चा खाद्य पदार्थ एवं तैयार खाद्य पदार्थ अव्यवस्थित तरीके से संग्रहित पाए गए। कर्मचारियों के मेडिकल सर्टिफिकेट भी नहीं पाए गए।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा खाद्य पदार्थ की गुणवत्ता संदिग्ध पाए जाने पर खट्टी मीठी गोली, इमली चटनी, चोको चिप्स एवं चटपटी गोली के कुल चार नमूने जांच हेतु लिए गए हैं, जिन्हें जांच हेतु खाद्य विश्लेषक राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल को प्रेषित किया जाएगा, जिनकी जांच रिपोर्ट प्राप्ति उपरांत आगामी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

परिसर में गंदगी एवं अव्यवस्थित तरीकों से खाद्य पदार्थों का निर्माण एवं संग्रहण पाए जाने के कारण खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 की धारा 32 के अंतर्गत लोक स्वास्थ्य के हित में खाद्य पदार्थ के निर्माण को तत्काल रूप से बंद कराया गया। साथ ही दूसरी फर्म के लेवल पाए जाने पर तथा उनसे संबंधित कोई दस्तावेज मौके पर नहीं पाए जाने के कारण चांद तारे खट्टे मीठी गोली के 400 पैकेट को जप्त किया गया है। खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच की कार्रवाई आगे भी सतत रूप से जारी रहेगी।

इंदौर के सभी वार्डों में सोलर सिटी के लिए किए जाएंगे गंभीरता से प्रयास: महापौर

इंदौर। इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव शहर के सभी 85 वार्डों, 22 जोन, तालाबों के किनारे, प्रधानमंत्री आवास योजना की बहुमंजिला इमारतों की विशाल छतों पर सौर ऊर्जा पैनल्स लगाई जाएगी। शहर में अगले तीन माह में 40 हजार से ज्यादा परिवारों, बिजली उपभोक्ताओं को सौर ऊर्जा उत्पादन से जुड़ने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

इन स्थानों पर सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए गंभीरता से प्रयास किए जाएंगे। अगले वर्ष दिल्ली से इस विषय में भी पुरस्कार के लिए हर संभव कोशिश की जाएगी। मुझे उम्मीद है कि पर्यावरण हित और बिजली खर्च में कमी के लिए पूरा शहर इस मुहिम में आगे आएगा। महापौर भार्गव मंगलवार को स्मार्ट सिटी कार्यालय में सोलर सिटी के लिए आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शहर सीमा में आए 29 गांवों वाले क्षेत्रों में हाईमास्ट सोलर से चलेंगे। कचरा गाड़ियों से भी सोलर सिटी के लिए आगे आने हेतु गीत, नारों का प्रसारण घर-घर तक किया जाएगा।

बैठक में ऊर्जा विभाग के प्रमुख सचिव संजय दुबे ने कहा कि सोलर यूनिट लगाने से पांच वर्ष में लागत खर्च निकल आती है, साथ ही अगले बीस वर्षों तक बिजली मिलती रहती है। कार्बन उत्सर्जन घटाने के लिए आम लोगों को सोलर एनर्जी को अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक लोगों को सौर ऊर्जा से जोड़ा जाएगा। सोलर सिटी के लिए बिजली कंपनी मात्र एक दिन में नेट मीटर लगाएगी। नगर निगम की टीम के साथ बिजली कंपनी की टीम जागरूकता अभियान चलाएगी, वार्डों में भी प्रजेंटेशन दिए जाएंगे।

प्रमुख सचिव संजय दुबे ने कहा कि सब्सिडी को फ्री फ्लो किया गया है। पैनल्स लगाने वाले वेंडर्स को पूरी राशि चुकाए, उनके खाते में तय सब्सिडी की राशि मात्र सात दिनों में पहुंच जाएगी। उन्हों बताया कि सौर ऊर्जा प्रोत्साहन के लिए सब्सिडी में और बढोत्तरी होने वाली है, साथ ही बड़ी इमारतों की इजाजत के लिए भी सौर ऊर्जा संयंत्र की अनिवार्यता सुनिश्चित की गई हैं।

मप्रपक्षेविविकं के प्रबंध निदेशक अमित तोमर ने कहा कि शहर में मौजूदा 25 हजार बिजली उपभोक्ताओं को रूफ टॉप सोलर नेट मीटर योजना से अगले तीन माह में जोड़ने के लिए व्यापक अभियान संचालित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शहर में 1400 शासकीय इमारतों पर पैनल्स लगाए जाना हैं।

नगर निगम आयुक्त हर्षिका सिंह ने कहा कि 1500 वर्ग फीट से ज्यादा के प्लाटों पर नक्शे पास करने के लिए सोलर अपनाने वालों को फीस में 6 प्रतिशत रियायत दी जाएगी।

इस अवसर पर संभागायुक्त माल सिंह , कलेक्टर आशीष सिंह, स्मार्ट सिटी सीईओ दिव्यांक सिंह ने भी विचार रखें। बैठक में मप्रपक्षेविविकं के निदेशक पुनीत दुबे, सचिन तालेवार, अधीक्षण यंत्री सुनील पाटौदी, मनोज शर्मा, निगम विद्युत विभाग के अधीक्षण यंत्री राकेश अखंड आदि भी प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

संभागायुक्त ने एमवाय हॉस्पिटल की ओपीडी का किया आकस्मिक निरीक्षण

इंदौर। संभागायुक्त मालसिंह ने एमवाय हॉस्पिटल की ओपीडी का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में साफ-सफाई की व्यवस्था को देखा और संतुष्टि जतायी। उन्होंने अस्पताल के वार्डों का भी निरीक्षण किया। संभागायुक्त मालसिंह ने वहां मौजूद मरीजों से अस्पताल में मिल रही सुविधाओं और साफ-सफाई के बारे में फीडबैक भी लिया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश शासन की मंशा के अनुरूप एमवाय हॉस्पिटल को आदर्श हॉस्पिटल के रूप में परिवर्तित करने की दिशा में लगातार कार्य किये जा रहे हैं। हॉस्पिटल में मॉड्यूलर ओटी के निर्माण के साथ-साथ ओपीडी में 9 नए काउंटर भी बनाये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि एमवाय हॉस्पिटल में प्रदाय की जा रही सुविधाओं में इजाफा देखने को मिला हैं। वे आगे भी इसी प्रकार सभी अस्पतालों का औचक निरीक्षण लगातार करते रहेंगे। इस दौरान मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. संजय दीक्षित सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

9 वर्षों के दौरान करीब 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले-प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आंध्र प्रदेश में नीति आयोग की ताजा रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि हमारी सरकार के पिछले 9 वर्षों के दौरान करीब 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। कांग्रेस के गरीबी हटाओ के नारे पर कटाक्ष करते हुए मोदी ने कहा, जिस देश में दशकों तक गरीबी हटाओ के नारे दिए जाते रहे, उस देश में सिर्फ 9 वर्ष में 25 करोड़ लोगों का गरीबी से बाहर निकलना ऐतिहासिक है। प्रधानमंत्री ने आंध्र प्रदेश के श्री सत्य साईं जिले के पलासमुद्रम में राष्ट्रीय सीमा शुल्क, अप्रत्यक्ष कर और नारकोटिक्स अकादमी (एनएसीआईएन) के नए परिसर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि एनएसीआईएन का यह नया परिसर सुशासन के लिए नए आयाम बनाएगा और भारत में व्यापार और वाणिज्य को बढ़ावा देगा।

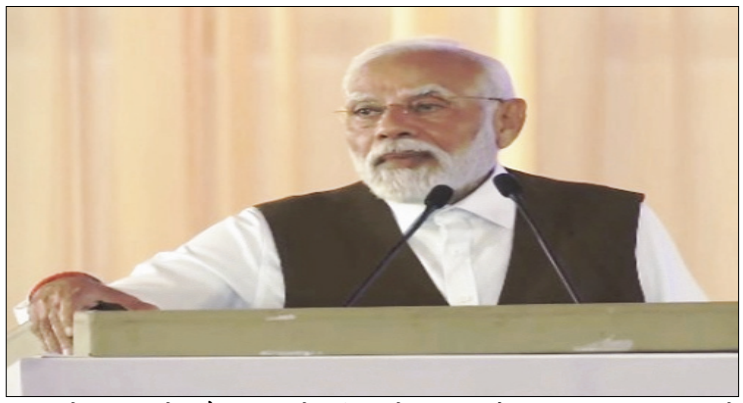

प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने पिछले 10 वर्षों में कर प्रणाली में बहुत बड़े सुधार किए, जिसके परिणामस्वरूप रिकॉर्ड कर संग्रह हुआ है। उन्होंने कहा, पहले देश में भांति-भांति की टैक्स व्यवस्थाएं थीं, जो सामान्य नागरिक को जल्दी समझ में नहीं आती थीं। पारदर्शिता के अभाव में ईमानदार करदाता को, व्यापार से जुड़े लोगों को परेशान किया जाता था। हमने जीएसटी के रूप में देश को एक आधुनिक व्यवस्था दी। उन्होंने आगे कहा, सरकार ने आयकर प्रणाली को भी आसान बनाया। हमने देश में फेसलेस कर निर्धारण प्रणाली को शुरू किया। इन सारे सुधारों के कारण आज देश में रिकॉर्ड कर संग्रह हो रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अतीत में हमारे यहां प्रोजेक्ट्स को अटकाने, लटकाने और भटकाने की प्रवृत्ति रही है, जिस कारण से देश को बहुत नुकसान हुआ है। बीते 10 वर्षों में हमारी सरकार ने लागत का ध्यान रखा है और योजनाओं को समय पर पूरा करने पर जोर दिया है। पिछले 10 वर्षों में गरीब, किसान, महिला व युवा इन सबको हमने सशक्त किया है। हमारी योजनाओं के केंद्र में वही लोग सर्वोपरि रहे हैं, जो वंचित थे, शोषित थे, समाज के अंतिम पायदान पर खड़े थे। प्रधानमंत्री ने अयोध्या के राम मंदिर में 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा को लेकर कहा कि अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले मेरा 11 दिवसीय उपवास अनुष्ठान चल रहा है। ऐसे शुभ समय में यहां आकर भगवान का आशीर्वाद लेने से धन्य हो गया हूं। उन्होंने कहा कि आज कल पूरा देश राममय होकर रामभक्ति में सराबोर है लेकिन प्रभु श्रीराम का जीवन विस्तार, उनकी प्रेरणा, आस्था भक्ति के दायरे से कहीं ज्यादा है। प्रभु राम शासन के, सामाजिक जीवन में सुशासन के ऐसे प्रतीक हैं, जो आपके संस्थान के लिए भी बहुत बड़ी प्रेरणा बन सकते हैं। उन्होंने एनएसीआईएन की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि एनएसीआईएन का रोल देश को एक आधुनिक पारिस्थितिकी तंत्र देने का है। एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र जो देश में व्यापार-कारोबार को आसान बना सके। भारत को वैश्विक व्यापार का अहम सहयोगी बनाने के लिए फ्रेंडली माहौल बना सके। टैक्स, कस्टम, नारकोटिक्स, जैसे विषयों के माध्यम से देश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को प्रमोट करे और गलत प्रैक्टिस से सख्ती के साथ निपटे।

निगम ने चार स्थानों से हटाए अवैध निर्माण

उज्जैन। नगर पालिक निगम रिमूव्ह अमले द्वारा पुलिस प्रशासन के समन्वय से चार स्थानों साई बाग कॉलोनी, पूजा परिसर, महाशक्ति नगर, आराधना परिसर से अवैध निर्माण, अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई। भवन अधिकारी श्री हर्ष जैन, भवन निरीक्षक श्री मुकुल मेश्राम ने बताया कि सागर पिता अभय तिरवार के दो मकान महाशक्ति नगर, पूजा परिसर, श्रीमति सीमा पति अभय तिरवार, साई बाग कालोनी एवं श्रीमती रीता पति राजीव सिंह भदौरिया आराधना परिसर के अवैध अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही की पुलिस प्रशासन के समन्वय से की गई। पूर्व में उक्त लोको को सूचना पत्र जारी करते हुए भवन के अवैध निर्माण को स्वयं हटाने के लिए सूचित किया गया था किन्तु निर्धारित समय सीमा में स्वंय के द्वारा अवैध निर्माण नही हटाने पर निगम रिमूव्ह गैंग के माध्यम से कार्यवाही करते हुए अवैध निर्माण एवं अतिक्रमण को हटाया गया।

मुख्यमंत्री ने भव्य विक्रमोत्सव 2024 की तैयारियों के दिए निर्देश

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन में 8 मार्च से 9 अप्रैल तक आयोजित होने वाले विक्रमोत्सव 2024 के आयोजन की तैयारियों के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। महाराजा विक्रमोत्सव भव्य स्वरूप से आयोजित होगा।महाशिवरात्रि से वर्ष प्रतिपदा की अवधि में होने वाले विक्रमोत्सव में उज्जैन सहित निकटवर्ती जिलों के नागरिक भी शामिल होंगे। मेले में भारतीय सांस्कृतिक संबद्ध परिषद के सहयोग से भी ज्ञान और मनोरंजन के उद्देश्य से अनेक गतिविधियों का आयोजन होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि सम्राट विक्रमादित्य की न्यायप्रियता, दानशीलता, उनके शौर्य और खगोल शास्त्र के ज्ञान से आमजन, विशेषकर विद्यार्थियों को अवगत करवाया जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रालय में विक्रमोत्सव के व्यवस्थित और भव्य आयोजन के संबंध में संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। आगामी महीनों में उज्जैन में व्यापार मेला भी लगेगा, जिसमें विभिन्न सेक्टर में उत्पादों के विक्रय की व्यवस्था होगी। व्यापार मेले में विविध सांस्कृतिक आयोजन होंगे। बैठक में स्कूल शिक्षा और परिवहन मंत्री श्री राव उदय प्रताप सिंह, मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा और संबंधित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के समक्ष विक्रमोत्सव के प्रस्तावित कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। प्रमुख सचिव संस्कृति श्री शिवशेखर शुक्ला और निदेशक महाराज विक्रमादित्य शोधपीठ श्रीराम तिवारी ने विक्रमोत्सव के स्वरूप का विवरण दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि सम्राट विक्रमादित्य के जीवन के विभिन्न आयामों से परिचित करवाने वाली गतिविधियों का आयोजन करने के निर्देश दिए। विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से सम्राट विक्रमादित्य के योगदान को प्रभावी ढंग से रेखांकित किया जाए, जिससे आमजन और विद्यार्थी इससे पूरी तरह परिचित हो सकें। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि पौराणिक फिल्मों सहित सम्राट विक्रमादित्य, रानी दुर्गावती और रानी अवंतिबाई के शौर्य से संबंधित नाट्य मंचन भी किए जाएं। जिला पर्यटन परिषद को भी गतिविधियों में शामिल किया जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन जिले में डोंगला स्थित वैधशाला के विद्यार्थियों द्वारा भ्रमण के साथ ही संवाद कार्यक्रम भी आयोजित करने के निर्देश दिए। विद्यार्थियों को साइंस सिटी का अवलोकन करवाने और जून और जुलाई महीनों में अवकाश की अवधि के लिए शैक्षणिक भ्रमण के कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की जाए। इसमें अकादमिक और गैर-अकादमिक गतिविधियों का संचालन करते हुए विषय- विशेषज्ञों को जोड़ा जाए। योग दिवस 21 जून के अवसर पर भी कार्यक्रम किए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि 21 जून वर्ष का सबसे बड़ा दिन भी होता है। सूर्य देव कर्क रेखा के ऊपर होते हैं जिसके चलते सूर्य का प्रकाश पृथ्वी पर लंबे समय तक बना रहता है। विद्यार्थियों को ऐसी तिथियों के भोगौलिक महत्व की जानकारी देने के लिए कार्यक्रम निर्धारित किए जाएं। बैठक से कमिश्नर उज्जैन और सचिव एम.एस.एम.ई. वर्चुअली जुड़े।

विक्रम उत्सव 2024 की प्रस्तावित गतिविधियां

बैठक में जानकारी दी गई कि विक्रम उत्सव 2024 में प्रदर्शनी, आर्ष भारत, पुनर्नवा उज्जयिनी, विक्रम कालीन मुद्रा एवं मुद्रांक के साथ ही गायन, चौरासी महादेव प्रदर्शनी, हस्तशिल्प मेला, लेजर शो, ड्रोन शो, अंतर्राष्ट्रीय इतिहास समागम, श्री कृष्ण लीलामृत, विभिन्न अंचलों के लोक नृत्य, बांसुरी वादन, भक्ति गायन, डांडिया रास, कथकली नृत्य, यक्षगान, मंदिरों में प्रभु श्रृंगार प्रतियोगिता, मूर्तिकला कार्यशाला प्रस्तावित है। इसके अलावा मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग और उच्च शिक्षा विभाग के सहयोग से कालिदास अकादमी उज्जैन में राष्ट्रीय विज्ञान समागम भी होगा। इस समागम में देश के प्रमुख शासकीय और निजी विश्वविद्यालयों का प्रतिनिधित्व रहेगा। विक्रम नाट्य समारोह के अंतर्गत कर्ण,अंधायुग, अवंति शौर्य, श्रीकृष्ण और प्रभु श्रीराम के जीवन पर नाटकों का मंचन होगा। भारत सहित इंडोनेशिया, वियतनाम, कंबोडिया, श्रीलंका, मलेशिया, म्यांमार और थाइलेंड देशों की कलाकार मंडलियां रामायण और महाभारत की प्रस्तुतियां देंगी।

इसके साथ ही अखिल भारतीय वेद सम्मेलन, वेद अंताक्षरी,कवि सम्मेलन और सूर्योपासना कार्यक्रम महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ के माध्यम से होंगे। इस वर्ष विक्रमोत्सव में विक्रम वैदिक घड़ी का लोकार्पण होगा।

विभिन्न प्रकाशनों के विमोचन और विक्रम पंचांग के लोकार्पण के लिए रामघाट पर कार्यक्रम की रूपरेखा बनाई गई है। विक्रम दीक्षांत समारोह, विक्रम विश्वविद्यालय में होगा।

शासन के विभिन्न विभागों सहित मध्यप्रदेश जनजातीय लोककला अकादमी, अश्विनी शोध संस्थान, महर्षि पाणिनि संस्कृत वैदिक विश्वविद्यालय, महर्षि सांदिपनी वेद प्रतिष्ठान, संस्कृत बोर्ड, आचार्य वराहमिहिर वैध शाला सहयोगी संस्थाएं रहेंगी।

रमणे कणे-कणे इति श्रीराम, अर्थात जो कण-कण में बसा है वही श्रीराम है

अयोध्याधाम में श्रीराम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा की घड़ी नजदीक है। भारत ही नहीं दुनियाभर के देशों में उत्साह है। उत्साह हो भी क्यों न। प्रभु श्रीराम की जन्मभूमि पर 500 वर्षों से भी ज्यादा के संघर्ष और बलिदान के बाद भगवान का मंदिर पुनः साकार रूप लेने जा रहा है। सौभाग्यशाली हैं कि यह क्षण हमारे जीवन में आया है। हम 22 जनवरी को अपने घरों में श्रीराम ज्योति जलाएं और दीपावली मनाएं। भारत के स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) की तरह 22 जनवरी 2024 की तारीख पीढ़ियों के अखंड तप, त्याग और संकल्प के प्रतीक के रूप में युगों-युगों तक जाना जाएगा। प्रभु श्रीराम एक राजा या आराध्य ही नहीं, भारत की आत्मा हैं। सांस्कृतिक पहचान हैं। अस्मिता हैं। प्रभु श्रीराम की शक्ति देखिए। इमारतें नष्ट कर दी गईं, अस्तित्व मिटाने का कुत्सित प्रयास किया गया लेकिन श्रीराम जनमानस के मन में बसे रहे। श्रीराम का जीवन चरित्र भारत ही नहीं भारत की सीमाओं को लांघकर मानवता को प्रेरणा देता है। विश्व की सर्वाधिक मुस्लिम जनसंख्या वाले देश इंडोनेशिया के साथ कंबोडिया, ईरान, श्रीलंका, थाईलैंड आदि में भी श्रीराम और रामायण के कई रूप देखने को मिलते हैं।

500 वर्षों से भी ज्यादा के संघर्ष और बलिदान के बाद भगवान राम का मंदिर पुनः साकार रूप लेने जा रहा

रमणे कणे-कणे इति श्रीराम अर्थात, जो कण-कण में बसा है वही श्रीराम है। आज भी समाज जीवन का कोई ऐसा पहलू नहीं है जो श्रीराम नाम से प्रेरित न हो। श्रीराम सबके हैं, सबमें श्रीराम हैं। श्रीराम की यही सर्वव्यापकता भारत की विविधता का चरित्र दिखाती है। श्रीराम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर जनजातीय क्षेत्रों में खुशी और उमंग है। झारखंड के जनजातीय समाज के संत प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने जा रहे हैं। जनजातीय समाज के 20 संतों को प्राण-प्रतिष्ठा में आने का निमंत्रण मिला है। वे स्वयं को परम सौभाग्यशाली मान रहा हैं कि प्रभु श्रीराम के मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा में उन्हें शामिल होने का अवसर मिल रहा है।

असम से लेकर गुजरात और विंध्यांचल से लेकर नीलगिरि तक में रहने वाले असंख्य जनजातीय समाज जो मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जीवन आदर्शों को अपना प्रेरणापुंज मानता है। भगवान श्रीराम 14 साल तक वन में रहे। इस दौरान वनवासियों के अपार समर्थन के बल पर ही उन्होंने रावण पर विजय पाई। श्रीराम चाहते तो रावण से युद्ध के लिए अयोध्या और उसके आसपास मित्र राजाओं की सेना का प्रयोग कर सकते थे। लेकिन ऐसा नहीं किया। भगवान श्रीराम के लिए जनजातीय समाज युद्ध लड़ा। वनवास के समय श्रीराम कोल, भील, निषाद आदि जनजातियों के संपर्क आये। मतंग ऋषि के संपर्क में भीलनी शबरी भगवान श्रीराम की भक्त बन गई। भील, सहरिया आज भी शबरी को अपना पूर्वज मानते हैं। वानर, हनुमान, बाली, सुग्रीव, जटायु, जामवंत वनवासी ही थे जिन्हें श्रीराम ने संगठित किया, सेना बनाई और रावण को समाप्त किया। इसे कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं है कि वनवासियों अथवा जनजातीय समाज के बिना श्रीराम अधूरे हैं।

मुगल आक्रांता बाबर ने 1528 में अपने सेनापति मीर बाकी को अयोध्या के भव्य श्रीराम मंदिर को तोड़ने का आदेश दिया था। इतिहासकार कनिंघम के अनुसार, श्रीराम मंदिर को बचाने के लिए हिंदुओं ने जान की बाजी लगा दी थी। 1 लाख 74 हजार हिंदू वीरों के बलिदान के बाद ही मुगल श्रीराम मंदिर को तोड़ने में सफल हो सके। मंदिर इतना मजबूत था कि इसे तोड़ने के लिए तोपों का इस्तेमाल करना पड़ा। मंदिर को नष्ट करने के बाद जलालशाह ने हिंदुओं के खून के गारा बनाकर लखौरी ईंटों से बाबरी मस्जिद का निर्माण कराया। श्रीराम मंदिर जन्म भूमि के लिए हिंदू समाज ने 78 धर्म युद्ध लड़े, जिनमें 3 लाख 50 हजार से ज्यादा हिंदू वीरों ने अपने प्राणों की आहुति दी थी। इतिहासकार कनिंघम अपने लखनऊ गजेटियर में लिखता है कि 1,74,000 हिन्दुओं की लाशें गिर जाने के पश्चात मीर बकी अपने मंदिर ध्वस्त करने के अभियान में सफल हुआ। साल 1885 में महंत रघुबीर दास ने फैजाबाद जिला अदालत में याचिका दायर की। इसके तहत उन्होंने श्रीराम की मूर्ति स्थापित करने की अर्जी लगाई, जो खारिज हो गई। इसके बाद 23 दिसंबर साल 1949 को विवादित ढांचे में श्रीरामलला की मूर्ति मिली थी। हिंदू पक्ष का कहना था कि श्रीराम प्रकट हुए हैं, जबकि मुस्लिमों ने आरोप लगाया था कि किसी ने रातों-रात मूर्तियां रख दीं। इसके बाद इसे विवादित ढांचा मानकर ताला लगवा दिया गया था। वर्ष 1950 में फैजाबाद सिविल कोर्ट में दो याचिकाएं दाखिल की गईं। पहली याचिका में गोपाल सिंह विशारद ने पूजा के अधिकार को लेकर अर्जी दाखिल की, तो दूसरी याचिका में विवादित ढांचे में भगवान श्रीराम की मूर्ति रखे रहने की इजाजत मांगी। साल 1959 में निर्मोही अखाड़ा ने तीसरी याचिका दाखिल कर श्रीरामलला स्थल का अधिकार मांगा। 1986 में कोर्ट ने सरकार को आदेश दिया कि हिन्दू श्रद्धालुओं के लिए जगह खोली जाए। यूसी पांडे की याचिका पर जिला जज केएम पांडे ने आदेश दिया। इसके बाद विवादित ढांचे का ताला खोला गया और श्रद्धालुओं को पूजा करने की इजाजत दे दी गई। 1989 में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के नेतृत्व में श्रीराम जन्म भूमि का शिलान्यास हुआ। अनुसूचित समाज के नेता कामेश्वर चौपाल के हाथों श्रीराम मंदिर की पहली ईंट रखी गई। 30 अक्टूबर 1990 को हजारों श्रीराम भक्तों ने तत्कालीन मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव द्वारा खड़ी की गई तमाम बाधाओं को पार कर अयोध्या में प्रवेश किया और विवादित ढांचे के ऊपर भगवा ध्वज फहरा दिया। लेकिन 2 नवंबर 1990 को मुलायम सिंह यादव ने कारसेवकों पर गोली चलाने का आदेश दिया, जिसमें सैकड़ों श्रीरामभक्तों ने अपने जीवन की आहुति दीं। कोठारी बंधुओं के बलिदान को कौन भूल सकता है। इसके बाद छह दिसंबर 1992 में कारसेवकों ने विवादित ढांचे को को गिरा दिया।

अदालत में श्रीराम मंदिर पर हिन्दू पक्ष को पहली सफलता 2010 में मिली। हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने फैसला सुनाते हुए विवादित जमीन को तीन हिस्सों सुन्नी वक्फ बोर्ड, निर्मोही अखाड़ा और श्रीरामलाला के बीच बांट दिया। लेकिन फैसला मंजूर नहीं था, फिर सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। अंततः वो दिन आ गया।

नौ नवंबर 2019 को सुप्रीम कोर्ट ने पूरी विवादित जगह को श्रीरामलला को सौंपने का आदेश दिया। पांच जजों की बेंच ने ऐतिहासिक फैसला सुनाया और विवादित जमीन हिंदू पक्ष को देने का आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने मंदिर के निर्माण के लिए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का गठन किया। इसके बाद भव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ।

अयोध्या में श्रीराम मंदिर की प्राण- प्रतिष्ठा के साथ ही देश का गौरव और पहचान वापस लौट रही है। श्रीराम प्राचीनता और आधुनिकता के समागम हैं। श्रीराम न सिर्फ भारत के अतीत हैं बल्कि वर्तमान और भविष्य भी हैं। मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम भारत की आत्मा और सांस्कृतिक पहचान हैं।

लौकिक धरातल पर रहकर भगवान श्रीराम ने धर्म एवं मर्यादा का पालन, असत्य से सत्य की ओर, अधर्म से धर्म की ओर तथा अन्याय से न्याय की ओर चलने की प्रेरणा दी। कर्तव्य की वेदी पर स्वयं चढ़कर अपने व्यक्तिगत सुख-प्रलोभनों की आहुति प्रभु श्रीराम के जीवन की कहानी का सार है। आज के भारत का मन अयोध्यामय हो चुका है। एक तरफ प्रगति का उत्सव है तो दूसरी तरफ परंपरा का उत्साह भी है। विकास की भव्यता और विरासत की दिव्यता भी दिखाई दे रही है। विकास और विरासत की संयुक्त शक्ति से 21वीं सदी में भारत विश्वगुरु के पद पर पुनर्प्रतिष्ठित होगा। अयोध्या देश ही नहीं संपूर्ण विश्व को दिशा देगी।

महाकाल मंदिर पहुंचे रामेश्वर शर्मा

उज्जैन। राजधानी भोपाल के हुजूर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के वरिष्ठ विधायक रामेश्वर शर्मा ने उज्जैन पहुंचकर महाकाल महाराज के दर्शन कर आशीर्वाद लिया।

इस दौरान विधायक शर्मा ने साष्टांग प्रणाम कर महाकाल सरकार के दर्शन किए। दरअसल विधायक रामेश्वर शर्मा देवास दौरे पर कार्यक्रम में सम्मिलित होने पहुंचे थे। जहां से उन्होंने उज्जैन पहुंचकर दर्शन किए। इस दौरान विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि महाकाल का आशीर्वाद मुझे सदैव प्राप्त होता रहता है। जब भी अवसर मिलता है मैं बाबा के दरबार

में हाजिरी लगाने पहुंच जाता हूँ। मैं तो भक्त हूँ, जैसे ही बुलावा आता है, दौड़ा चला आता हूँ। उनका आशीर्वाद हम सब पर बना रहे यही प्रार्थना है।

क्या उज्जैन को अपना हवाई अड्डा मिलेगा?

उज्जैन। मध्य प्रदेश सरकार ने ग्रीनफील्ड अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा विकसित करने के लिए उज्जैन और देवास के बीच 10,000 एकड़ भूमि की पहचान की है। मध्य प्रदेश सरकार ने उज्जैन और देवास के बीच फैली 10,000 एकड़ भूमि की पहचान की है जिसे राज्य में एक नए ग्रीनफील्ड अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निर्माण के लिए अधिग्रहित किया जाएगा। नई दिल्ली में इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से आगे निकलने की उम्मीद वाली इस महत्वाकांक्षी परियोजना का लक्ष्य इंदौर में मौजूदा देवी अहिल्या हवाई अड्डे को बदलना और उसका विस्तार करना है।

प्रस्तावित हवाई अड्डा, देवास, उज्जैन और इंदौर जिलों के संगम पर स्थित है, जिसमें न्यूनतम पांच रनवे होने की उम्मीद है। नए हवाई अड्डे के लिए मध्य प्रदेश सरकार की नजर उज्जैन के पास 10,000 एकड़ जमीन पर है। मध्य प्रदेश सरकार के औद्योगिक नीति विभाग के प्रमुख सचिव संजय कुमार शुक्ला ने बताया कि मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अधिकारियों से भूमि अधिग्रहण और विकास परियोजना में तेजी लाने को कहा है।

अधिकारी ने कहा कि एक व्यवहार्यता अध्ययन से पता चला है कि मौजूदा सुविधा के विस्तार के लिए आवश्यक 2,314 एकड़ जमीन हासिल करने की तुलना में एक नया अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा बनाना अधिक लागत प्रभावी समाधान होगा। नए ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे को विकसित करने का प्रस्ताव भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा देवी अहिल्या हवाई अड्डे के विस्तार के लिए भूमि के नए अधिग्रहण के लिए कहने के बाद रखा गया था, और यह पाया गया कि इस तरह के अधिग्रहण की लागत एक नए अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निर्माण से अधिक होगी।

अभी ऐसी है हवाई पट्टी

देवास रोड पर बनी दताना मताना हवाई पट्टी पर फिलहाल छोटे विमान और हेलीकॉप्टर की लैंडिंग ही करवाई जा सकती है। हवाई पट्टी की जमीन 95 एकड़ है और यहां के रनवे पर प्रशिक्षण विमान का संचालन तो किया ढुजा सकता है लेकिन फ्लाइट की लैंडिंग के लिए यह उपयुक्त नहीं है।

2021 से हो रहे प्रयास

शाही सवारी में शामिल होने के बाद दिल्ली पहुंचे केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने लौटते ही महाकाल की नगरी में रिपोर्ट तैयार करने की कवायद शुरू कर दी थी। उन्होंने मुख्यमंत्री को पत्र लिखते हुए एयरपोर्ट के विस्तारीकरण पर 200 करोड़ रुपए खर्च होने की बात कही थी। इस बारे में एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने सर्वे भी किया था और मुख्यमंत्री से व्यक्तिगत हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया गया था। उज्जैन में बताना हवाई पट्टी मौजूद है और अगर इस एयरपोर्ट का रूप दिया जाता है तो 252 एकड़ जमीन की आवश्यकता होगी और एयरपोर्ट बनने में 200 करोड़ का खर्च आएगा।

मुख्यमंत्री पहुंचे लड्डू निर्माण इकाई, अयोध्या में भोग के लिए बनाये लड्डू

उज्जैन। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की भोग लड्डू निर्माण इकाई पहुंचे और यहां से अयोध्या भेजे जाने वाले भोग के लड्डूओं के निर्माण का जायजा लिया। डॉ यादव सुबह चिंतामन जवासिया स्थित श्री महाकालेश्वर भगवान के भोग लड्डू निर्माण इकाई पहुंचे। यहां उन्होंने लड्डू इकाई में बैठकर लड्डू बनाए और पैकिंग भी की। डॉ यादव ने यहां उपस्थित कारीगरों से चर्चा की।

इस दौरान श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के प्रशासक व अपर कलेक्टर संदीप कुमार सोनी ने मुख्यमंत्री को लड्डू प्रसाद के संबंध में जानकारी दी। डॉ यादव ने अयोध्या में श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए यहां से पांच लाख लड्डू भोग के लिए भेजे जाने की घोषणा की थी। इसी क्रम में अब तक चार लाख लड्डू बनकर तैयार हो गए हैं। ये प्रक्रिया लगातार जारी है।

प्रबंध समिति ने जानकारी दी कि लड्डू प्रसाद बेसन, रवा, शुद्ध घी और सूखे मेवों से बनाया जा रहा है। लड्डू प्रसाद निर्माण के लिए अतिरिक्त कारीगरों व कर्मचारियों को लगाया गया है। लड्डूओं को पैकेट में पैक कर अयोध्या भेजा जाएगा, एक लड्डू का वजन लगभग 50 ग्राम है।

महाकाल की सवारी पर थूकने वाले आरोपी को मिली जमानत

उज्जैन। हाईकोर्ट की इंदौर पीठ ने उज्जैन में जुलाई, 2023 में महाकाल की सवारी पर 'कुल्ला करने और थूकने' के बहुचर्चित मामले के इकलौते बालिग आरोपी को जमानत दे दी है।

कोर्ट ने यह आदेश उसकी गिरफ्तारी के करीब पांच महीने बाद दिया है। अदालत ने मामले के शिकायतकर्ता और चश्मदीद गवाहों में शामिल एक व्यक्ति के पक्षद्रोही हो जाने और अन्य तथ्यों पर गौर करते हुए आरोपी की जमानत अर्जी मंजूर की।

हाईकोर्ट की इंदौर पीठ के न्यायमूर्ति अनिल वर्मा ने अदनान मंसूरी (18) की जमानत याचिका मंजूर करते हुए कहा कि मामले की सुनवाई कर रही निचली अदालत के सामने शिकायतकर्ता सावन लोट और चश्मदीद गवाह अजय खत्री ने अभियोजन के दावों का समर्थन नहीं किया और वे पक्षद्रोही हो गए। अदालत ने कहा कि पुलिस के जांचकर्ता अधिकारी ने आरोपी की शिनाख्त परेड भी नहीं कराई।

मामले की जांच की मांग

एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स के कार्यकर्ता जैद पठान ने कहा कि मामले के शिकायतकर्ता और एक चश्मदीद गवाह के पक्षद्रोही हो जाने के बाद प्रशासन और पुलिस की कार्रवाई को लेकर जाहिर तौर पर गंभीर सवाल उठ गए हैं। जैद पठान ने मांग करते हुए कहा कि आरोपियों के मकानों के हिस्सों को आनन-फानन में अवैध बताकर ढहाए जाने की जांच की जानी चाहिए और अगर प्रशासन का यह कदम गलत पाया जाता है, तो पीड़ित परिवारों को सरकारी खजाने से मुआवजा दिया जाना चाहिए। इसके लिए आगे कार्रवाई करेंगे।

दो नाबालिग आरोपियों को मिल चुकी है जमानत

उच्च न्यायालय में बहस के दौरान मंसूरी की जमानत याचिका पर अभियोजन की ओर से आपत्ति जताते हुए कहा गया कि कथित घटना के सीसीटीवी फुटेज में आरोपी की पहचान हुई है और उसके खिलाफ सांप्रदायिक सद्भाव को नुकसान पहुंचाने के गंभीर आरोप हैं। बचाव पक्ष के वकील देवेंद्रसिंह सेंगर ने बताया कि उच्च न्यायालय मामले में दो नाबालिग लड़कों की जमानत याचिकाएं पहले ही मंजूर कर चुका है।

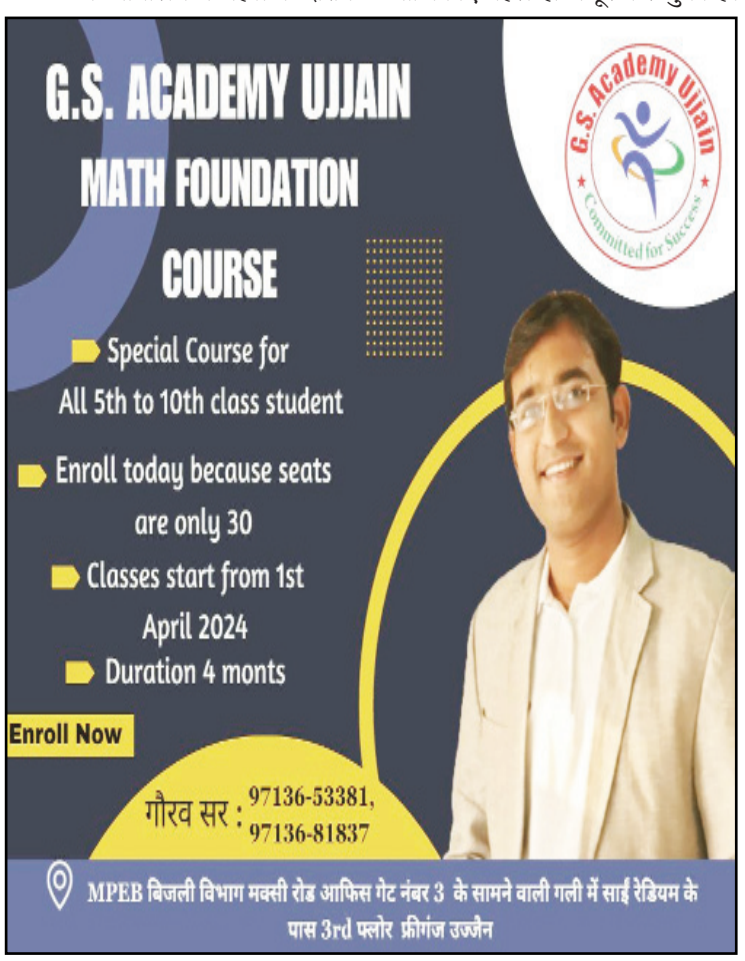

स्वताधिकारी/प्रकाशक मनमोहन शर्मा के लिये साप्ताहिक उज्जैन टाइम्स 110, तिरुपति एवेन्यू, होटल नत्रक्ष के पीछे, पंचक्रोशी मार्ग, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं ज्योति ट्रेडर्स एवं प्रिन्टर्स न्यू रोड, उज्जैन से मुद्रित।
● प्रधान सम्पादक : मनमोहन शर्मा मोबा. 9827233734 manmohan680@gmail.com (सभी वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)। (म.प्र. शासन से 01-04-1997 से समाचार पत्र विज्ञापनों हेतु अनुमोदित)